This question paper contains 4 printed pages]

2541

Second Year Arts EXAMINATION, 2017

PRAKRIT

Paper I

(आगम साहित्य, शिलालेख एवं व्याकरण)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड 'अ') [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(खण्ड 'ब') [Marks : 50]

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

(खण्ड 'स') [Marks : 30]

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

(खण्ड 'अ')

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(इकाई I)

(*i*) णायाधम्मकहा में प्रश्नकर्ता एवं उत्तरदाता का नाम बताइए।

(*ii*) शौर्यपुर नगर में दो राजा थे। उनके नाम बताइए।

(इकाई II)

(*iii*) वसुनन्दी श्रावकाचार में जूआ खेलने वाले पुरुष के कितने कषाय बताये हैं ?

(*iv*) मद्य-मधु सेवन से क्या उत्पन्न होता है ?

(इकाई III)

(*v*) अर्धमागधी आगम साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(*vi*) शौरसेनी आगम साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(इकाई IV)

(*vii*) अशोक के अभिलेख कहाँ लिखे गये हैं, और कितने हैं ?

(*viii*) अशोक के अभिलेख की प्रथम पंक्ति का परिचय दीजिए।

(इकाई V)

(*ix*) अर्धमागधी प्राकृत की सामान्य विशेषताएँ लिखिए।

(*x*) शौरसेनी प्राकृत के तीन सर्वनाम पद लिखिए।

(खण्ड 'ब')

(इकाई I)

2. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

एवं खलु जंबु ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाराणसी नामं नयरी होत्था, वन्नओ। तीसे णं वाणारसीए नयरीए बहिया उत्तर-पुरच्छिमे दिसिभागे गंगाए महानदीए मंयगतीरद्दहे नामं दहे होत्था।

3. निम्नलिखित गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आणानिद्देसकरे गुरूणमुववायकारए।

इंगियागारसम्पन्ने से विणीए त्ति वुच्चई।।

(इकाई II)

4. निम्नलिखित गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

पावेण तेण जर-मरण-वोचिपउरम्मि दुक्खसलिलम्मि।

चउगइगमणावत्तम्मि हिंडइ भवसमुद्दम्मि।।

5. वसुनन्दी श्रावकाचार के पठित अंश का विशद विवेचन कीजिए।

(इकाई III)

6. अर्धमागधी आगम के प्रमुख **तीन** ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

7. शौरसेनी आगम के प्रमुख **दो** ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

(इकाई IV)

8. अधोलिखित शिलालेख का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

समाजम्हि पसति देवानंप्रियो प्रियद्रसि राजा।

पसोपगानि च यत यत नास्ति सर्वत्रा हारापितानि च रोपापितानि च।

9. अशोक के पठित प्राकृत अभिलेखों का विशद परिचय दीजिए।

(इकाई V)

10. पुल्लिंग किसी **एक** संज्ञा पद का सभी विभक्तियों के दोनों वचनों के साथ प्रयोग कीजिए।

11. विद्यर्थ एवं भविष्यत् काल के क्रिया-रूपों का तीनों पुरुषों के दोनों वचनों में प्रयोग कीजिए।

(खण्ड 'स')

(इकाई I)

12. णायाधम्मकहा में पठित दो कछुए की कथा का मूल्यांकन कीजिए।

(इकाई II)

13. वसुनन्दी श्रावकाचार में चौर्य दोष-वर्णन का समीक्षण कीजिए।

(इकाई III)

14. षट्खण्डागम ग्रन्थ का विस्तृत परिचय दीजिए।

(इकाई IV)

15. अशोक के अभिलेखों का राजनैतिक महत्त्व लिखिए।

(इकाई V)

16. प्राकृतभाषा की प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए।